VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध
ESSAY

*निर्धारित समय: **तीन** घंटे*
*Time Allowed: **Three** Hours*

टेस्ट कोड/ Test Code : 3128

*अधिकतम अंक: **250***
*Maximum Marks: **250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 32+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01046611

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : खेतदान चारण

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

HINDI

तारीख
Date

31/08/24

निबंध
ESSAY

केंद्र
Centre

mukherjee Nagar

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

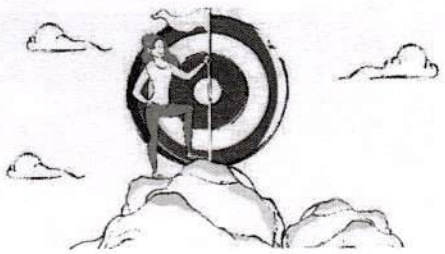

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे	**टेस्ट कोड : 3128**	अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में **निबंध** लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours	**Test Code : 3128**	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

खंड A और B प्रत्येक से **एक-एक** विषय चुनकर **दो** निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।

The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।

Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।

We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।

The will of the people cannot make just that which is unjust.

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।

It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।

To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।

We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।

A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

खण्ड – A / SECTION – A

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नहीं करेगा।
The world must learn to work together, or finally it will not work at all.

2. कला की भांति प्रौद्योगिकी भी मानवीय कल्पना का एक उत्कृष्ट अभ्यास है।
Technology, like art, is a soaring exercise of the human imagination.

3. हमने बेटियों को बेटों की तरह पालना तो शुरू कर दिया है लेकिन, कुछ ही लोगों में अपने बेटों को अपनी बेटियों की तरह पालने का साहस है।
We've begun to raise daughters more like sons, but few have the courage to raise our sons more like our daughters.

4. लोगों की इच्छा अन्याय को न्याय नहीं बना सकती है।
The will of the people cannot make just that which is unjust.

निबंध

1. विश्व को एक साथ मिलकर कार्य करना सीखना होगा अन्यथा यह कार्य ही नही करेगा।"

19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में यूरोप वैश्विक विभाजन का साक्षी रहा है। इस समय फ्रांस - ब्रिटेन - जर्मनी अपने - अपने हितों के ~~साथ~~ अनुसार अलग - अलग गुप्त

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

संधियाँ कर रहे हैं जिसका परिणाम यह हुआ कि 1910 ई. तक आते-आते मित्र राष्ट्र व धुरी राष्ट्र के रूप में पुरा यूरोप विभाजित हो गया था जिसने प्रथम विश्व युद्ध को जन्म दिया तथा अपार धनबल-जनबल की हानि के साथ विश्व को पुनः सैकड़ों वर्ष पूर्व की स्थिति में ले गए। इसी संधि के परिणाम-स्वरूप द्वितीय विश्व युद्ध का जन्म हुआ।

लेकिन यहाँ तक आते-आते सब सबको यह समझ में आ गया था कि "संगठन/एकता में ही शक्ति है व विभाजन में ही विनाश है" इसी कारण सर्वसहमति से यूनाइटेड नेशन का निर्माण किया गया जो कि अंतर्राष्ट्रीय शांति व समृद्धि को सुनिश्चित करें। इस प्रकार विश्व ने मिलकर एक साथ कार्य किया तथा यूक्रेन-रूस द्विपक्षीय, इजरायल-फिलिस्तीन जैसे युद्धों के परचात भी विश्व युद्ध को रोकने में सफलता प्राप्त की।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस प्रकार यदि एक नजर इस पर डालें कि आखिर ऐसी क्या जरूरत आ पड़ी की विश्व का मिलकर कार्य करना जरूरी हो गया है तो यह स्पष्ट और प्रथम कारण दिखता है कि - "~~एक~~ एक ग्रह है और सात अरब सपने है" इसलिए इन सात अरब सपनों को पुरा करने के लिए तथा इस ग्रह की सुरक्षा करने के लिए सात अरब लोगों के चौदह अरब हाथों का सहयोग अनिवार्य है। अन्यथा यह ग्रह कुछ लोगो के सपनों को ही पूर्ण कर पाएगा। जो कि अंतर्राष्ट्रीय अन्याय की स्थापना करेगा।

जैसा कि महात्मा गाँधी जी ने कहा था कि " सभी लोगो की आवश्यकता पुरी करनें के लिए पृथ्वी पर्याप्त है लेकिन किसी के लालस पूर्ति के लिए संसाधन अपर्याप्त है"

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस कारण इस ग्रह के सतत प्रयोग के लिए विश्व का एक साथ मिलकर कार्य करना जरूरी है। इसके लिए मिशन LiFE (लाइफ स्टाइल फोर इन्वायरमेंट), पंचामृत सूत्रों तथा अन्तरराष्ट्रीय समझौतों को वास्तविक रूप में पालन करना अनिवार्य है।

यदि राजनीतिक जरूरतों को देखे तो अंतरराष्ट्रीय राजनीति राजनीतिक अवसरवाद की तरह रही है। यहाँ यह कविता ठीक बैठती है कि- "जिसे तुम कहते हो भगवान
वंचक है वो
उसने जब चाहा तब अपने हित
में फैसला किया।"

इस प्रकार यह राजनीतिक अवसरवाद समय के साथ-साथ परिवर्तित होता रहा जिसने

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विश्व में राजनीतिक भ्रष्टाचार, राजनीतिक टकराव व राजनीतिक इच्छा शक्ति में कमी करने का प्रयास किया जिसका स्पष्ट उदाहरण पेरिस समझौते से USA का बाहर हो जाना, ब्रेक्जिट, इत्यादी रूप में दिखाई पड़ते हैं। इस कारण राजनीतिक एकता को बनाए रखने तथा किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए दृढ़ राजनीतिक इच्छा शक्ति की उत्पति के लिए विश्व का मिलकर कार्य करना अनिवार्य बन गया है।

"अफगानिस्तान में आतंकी हमलें से 15 नागरिकों की मौत ....."

"26/11 हमलें में 4 मंजिलो को गिराया गया...."

"सिनेमा थियेटर में घुसे 4 आतंकी मात्र 3 मिनटों में अंधाधुंध फायरिंग करके 327 लोगों की ली जान" इस प्रकार की हेडलाईन चाहे वह

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अमेरिकी अखबार हो, यूरोपीय समाचार पत्र हो या भारतीय रेडियो या टेलीविजन हमेशा इनसे भरे रहते हैं। क्या यह संभव है? कि जिस समस्या से पुरा विश्व परेशान है उस समस्या को कोई अकेला राज्य या छोटा सा उपसमूह निपट सके। इसलिए इन वैश्विक समस्याओं जैसे आतंकवाद, अलगाववाद, धार्मिक कट्टरता इत्यादी के लिए अंतर्राष्ट्रीय एकता अनिवार्य बन जाती है।

इसी प्रकार "महिला/स्त्री पैदा नही होती उसे बुना जाता है।" सिमोन दी बउआ का यह कथन मानो ऐसा लगता है कि सभी महाद्वीपों व राष्ट्रो की धरती पर बुना गया है। सभी जगहों पर महिला की स्थिति ऐसी ही दिखाई देती है चाहे वह ब्रिटेन के कारखानों की महिला हो या भारत के घरों की ग्रामीण महिला हो। सभी ने उसी

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पितृसत्तात्मक मानसिकता को झेला है जो उनके शोषण का उपकरण बनी रही। लेकिन समय के साथ विश्व ने मिलकर कार्य किया तो स्पष्ट देखने को मिला कि यह बीजिंग कन्वेंशन, यूनाइटेड नेशन का (CEDAW) का ही परिणाम था कि अब महिला समान अधिकार, सम्मान, कार्य तथा सार्वभौमिक मताधिकार को प्राप्त करने मे सफल रही। ~~लेकिन~~

लेकिन इसका तात्पर्य यह नही है कि अब जरूरत नही है अभी भी अफ्रीकी महिलाओ के कल्याण, गरीबी, कुपोषण, एनीमिया उच्च मातृ मृत्युदर, यौन कैंसर, वैवाहिक बलात्कार सुरक्षित कार्यस्थल जैसी समस्याओ के निपटान के लिए विश्व का साथ मिलकर कार्य करना जरूरी बन गया है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसी प्रकार प्रोफेसर रीड का समस्थितिकी संतुलन का सिद्धान्त यह व्याख्या करता है कि पृथ्वी पर एक घटना की उत्पति दूसरी घटना की उत्पति का कारण बनती है तथा यह घटना दूसरों को प्रभावित करती है। प्रत्येक महाद्वीप सुनामी - चक्रवात - भूकम्प - अति वर्षा - भूस्खलन - ज्वालामुखी विस्फोट जैसी घटनाओं से प्रभावित है। इनके निपटान के लिए वित्तीय सहयोग, आपदा पूर्व जानकारी के लिए अंतर्राष्ट्रीय निर्भरता अनिवार्य है। यही निर्भरता अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से मौसम पूर्वानुमान, आपदा पूर्वानुमान, पुनः निर्माण के समय तकनीकी व वित्तीय सहयोग के रूप में सुनिश्चित होता है।

यदि एक नजर औद्योगिक क्रांति पूर्व के वातावरण पर डालें तो स्पष्ट दिखता है कि तापमान सामान्य, अनुकूल जलवायु तथा

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु निश्चितता थी लेकिन जब विश्व होड़ में लग गया तो पता ही नही चला की कब असुरक्षित पृथ्वी का जन्म हुआ जिसमें वैश्विक तापन, जलवायु परिवर्तन, ओजोन परत की मोटाई में कमी, हिमनदों का पिघलन तथा आपदाओं की पुनरावृत्ति में वृद्धि को झेला है। लेकिन अभी भी समय है कि मानव यह समझ जाए कि - "इस अचला जगति पर इनके (पशु-पक्षी-प्रकृति) कुछ अधिकार नही है क्या? तथा इनकी सुरक्षा के लिए UNFCC, UNCBD, UNCCC तथा एजेंडा-20 जैसे लक्ष्यों को पूर्णतः इच्छाशक्ति से प्राप्त करने का संकल्प ले तथा सभी मिलकर कार्य करें।

हालांकि ऐसा भी नही है कि अभी तक विश्व ने मिलकर कार्य नही किया है। विश्व मे एकता स्थापना की प्रक्रिया

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अनवरत रूप से चल रही है लेकिन समस्या का मूल केन्द्र विदेशनीति का मूल वाक्य "विदेश नीति में न तो स्थायी मित्र होते हैं न स्थायी- शत्रु , स्थायी केवल हित होते हैं।" बना हुआ है जो समय के साथ इस एकीकरण को प्रभावित करता है। यह अंतरराष्ट्रीय संबंधो में अनैतिकता को उत्पन करता है। लेकिन फिर भी यह सराहना करनी होगी की 1950 के बाद से विश्व एकता में वृद्धि हुई है जिसने आपदा सहयोग के लिए सेंडई फ्रेमवर्क, पर्यावरण के लिए UNFCC, जैव विविधता के लिए UNCBD , अंतरराष्ट्रीय वित के लिए IMF, NDB, AIIB, जैसे बैंको तथा अंतरराष्ट्रीय विकास के लिए world bank group जैसे संगठन का निर्माण किया है।

लेकिन इस प्रक्रिया को अनवरत बनाए रखने कि अभी भी आवश्यकता है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

क्योंकि वैश्विक तापमान 1.5°C की वृद्धि कर चुका है, राष्ट्रों के पास वित्तिय संसाधनो का अभाव है, विकसित राष्ट्रों का सामाजिक उत्तरदायित्व बनता है तथा धनशोधन, साइबर हमले, नवीन आतंकी प्रणालिया, असंगठित अपराध की जुड़ी हुई प्रवृत्ति, अंतरराष्ट्रीय समझौते के अनुपालन हेतू, समतामूलक समाज के लिए तथा तकनीकी विस्तार के लिए वैश्विक एकता अनिवार्य है।

इसी सन्दर्भ में यू.एन महासचिव का भी कहना है कि "कोई भी प्लान बी नही हो सकता है क्योंकि कोई प्लानेट बी नही है।" इसलिए इस पृथ्वी को बचाने के लिए सभी राष्ट्रो को मिलकर कार्य करना होगा।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि यह सहयोग सूक्ष्म से लेकर वृहद तक, व्यष्टि से लेकर समष्टि तक सभी जगहों पर होना चाहिए। उदाहरण के लिए तुलसी गैवगोड़ा (30,000 वनारोपण) हरेकाला हज्जबा (शिक्षा बढावा) मंजुमा जुगाती (ट्रांसजेंडर शिक्षा) जैसे व्यक्तित्व तथा ग्रीनपीस, अक्षयपात्र, सेवा फाउण्डेशन, मजदूर किसान शक्ति संघ जैसे NHOs & SHGs तथा राष्ट्र के प्रत्येक भागीदार के मध्य होना चाहिए जो किसी कार्य को पूर्ण करने के लिए "सबका साथ - सबका प्रयास - सबका विकास" कर सके।

इस प्रकार किसी भी कार्य को पूर्ण करने के लिए देश के भीतर तथा सभी देशों के मध्य एकता अनिवार्य है जिससे भारतीय परम्परा "सर्वे भवन्तु सुखिनः। सर्वे सन्तु निरामया। सर्वे भद्राणि पश्यंतु। मा कदाचित दुखभाग्वे॥ का भी अनुपालन होगा।

VisionIAS

खण्ड – B / SECTION – B

5. किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसपर विचार करने में सक्षम होना ही शिक्षित मस्तिष्क की पहचान है।
It is the mark of an educated mind to be able to entertain a thought without accepting it.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।
To be yourself in a world that is constantly trying to make you something else is the greatest accomplishment.

7. हम चीजों को वैसा नहीं देखते हैं जैसी कि वे होती हैं, बल्कि हम उन्हें वैसा देखते हैं जैसे कि हम हैं।
We don't see things as they are, we see them as we are.

8. सच जब तक अपने जूते पहन रहा होता है, झूठ तब तक आधी दुनिया का सफ़र तय कर लेता है।
A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.

6. एक ऐसी दुनिया में, जो लगातार तुम्हें कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है, स्वयं को बनाए रखना सबसे बड़ी उपलब्धि है।"

अभी कल ही में IAS अशोक चारण जिन्हें वित्त मंत्रालय द्वारा 4000 करोड़ रेवेन्यू संग्रहण करने पर स्वर्ण पदक मिला जो कि राजस्थान के लिए इस श्रेणी का पहला पदक था। इनकी जीवनी कुछ ऐसी थी की कक्षा बारहवीं के बाद कोटा में IIT- एडवांस की तैयारी करते समय

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लगातार 3 बार विफल रहे तथा बताते हैं कि एक समय पर निराशा इस हद तक बढ़ गई थी कि आत्महत्या का ख्याल आ गया था। लेकिन जैसे-तैसे स्वयं को बनाए रखा तथा B.A. कि डिग्री करते समय UPSC की तैयारी प्रारम्भ कर दी थी। लेकिन इस प्रक्रिया में भी समय ने उनकी अनेक परिक्षाए ली लेकिन अन्त तक स्वयं को बनाए रखा तथा जो समय पहले खराब चल रहा था उसी समय ने उन्हें IRS बनाया तथा बने रहने के इसी साहस ने इन्हें राजस्थान के प्रथम IRS* जो स्वर्ण पदक प्राप्त करने मे सफल रहे का गौरव प्रदान किया। इसी कारण यह सच ही लगता है कि "स्वयं को बनाए रखना ही सबसे बड़ी उपलब्धि है" जो जीवन की सभी उपलब्धियों को राह प्रदान करती है।

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

ऐसा ही एक उदाहरण बल्ब के अविष्कारकर्ता एडीसन के रूप में दिखाई पड़ता है जिन्हे सफलता की प्रक्रिया में समय ने 10,000 बार असफल किया था लेकिन - स्वयं को बनाए रखने की जिद्द ने आज उनके नाम और कार्यो को जगजीवन मे अमर कर दिया था महाकवि जायसी के शब्दों मे कहे तो - "फुल मरै पर मरै न बाँसू" (अर्थात इंसान मर जाता है पर कार्य अमर रह गए)।

पर अब यह देखना होगा कि "इस दुनिया में" में कौनसी दुनिया की बात हो रही है। यदि यह दुनिया अमूर्त दुनिया है तो यह कैसे और क्यों तुम्हे कुछ और बनाने का प्रयास कर रही है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

तथा यदि ये दुनिया मूर्त दुनिया है तो भी यह आपको क्यों और कैसे कुछ और बनाने का प्रयास करती है तथा ऐसे में कैसे खुद को बनाए रखा जा सकता है।

निबंध के इसी क्रम मे सर्वप्रथम अमूर्त दुनिया अर्थात ईश्वर के बारे में व नियतिवाद, भाग्यवाद, कर्मफल के बारे में चर्चा करते है। तो स्पष्ट दिखाई देता है कि समाज का एक बड़ा हिस्सा है जो कि आस्तिक है तथा वेदों व धार्मिक ग्रंथो की सत्ता को स्वीकार करता है तथा इहलौकिक व पारलौकिक दोनों में विश्वास करता है।

इस नियतिवादी विचारधारा का मानना है कि " भाग्य से ज्यादा -समय से पहले कभी भी कुछ नही मिलता है।" इस कारण व्यक्ति जो बनना चाहता है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उसे वह समय से पूर्व नही मिल पाता है तथा भाग्य में वह कार्य नही लिखा हुआ है तो उसे वह नही मिलकर कुछ और मिलता है जो उसके भाग्य मे मिला है जिसे शास्त्रों में "भाग्य विधाता की देन" कहा गया है।

सामान्यत: समाज भी इस धारणा को सहमति देता है तथा अनेक कथन जैसे :-

" पुराने पाप आड़े आ रहे है "

" मेरे लड़के के तो कर्म ही खराब है जो बिचारा इंटरव्यू दे-दे कर थक गया पर पास नही हो पा रहा है ।"

" पिछले जन्म में खोटे कर्म किए हुए है "

ऐसे कथन उस अमूर्त दुनिया की अमूर्त शक्ति की ओर इशारा करती है

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जो लगातार तुम्हे कुछ और बनाना चाहती है।

लेकिन इसका एक धड़ा ऐसा भी है जो यह मानता है कि ऐसी कोई काल्पनिक दुनिया नही है। इस दर्शन के प्रवर्तक चार्वाक का मानना है कि " भाग्य का अर्थ है कष्ट तथा कर्मफल का अर्थ कष्ट व विवशता के कारण अज्ञान " इसके अलावा भाग्य व कर्मफल कुछ नही है। इस प्रकार वे पारलौकिकता का खण्डन करके इहलौकिकता पर बल देते है।

हालांकि समाज के बड़े वर्ग का सम्मान करते हुए यह माना जाए कि यह दुनिया कुछ और बनाने का प्रयास करती है तो उस समय स्वयं को कैसे बनाए रखा जाए तो प्रत्युत्तर में गीता का

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

यह कथन " कर्मण्येवाधिकारस्तु फलेषु मा कदाचन " (फल की चिंता मत करो केवल कर्म करो) अत्यधिक प्रासंगिक है तथा एक दर्शन का प्रत्युत्तर दूसरे दर्शन से देना सार्थक व उचित भी है। इस प्रकार ऐसी दुनिया में स्वयं को बनाए रखने के लिए निष्काम रूप व पूर्ण मेहनत व सलंग्नता से कार्य में लगाए रखो तथा मेहनत से सफलता प्राप्त हो ही जाएगी व नियतिवादी के अनुसार जो भाग्य में लिखा है वह तो मिलेगा ही। इस प्रकार धैर्य, संतुष्टि व मेहनत के गुणों की प्राप्ति से इस जगत से बचा जा सकता है।

इसी प्रकार अब यदि मूर्त दुनिया जिसमें समाज, परिवार, रिश्तेदार, राष्ट्र, गृह इत्यादी की समस्याए व विशेषताए आती है जो व्यक्ति को कुछ और बनाने का

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रयास करती है। यदि **व्यक्तिगत स्तर** पर देखे तो उसका कौशल, हुनर, शारीरिक व मानसिक क्षमता इत्यादी आती है जो उसे कुछ न करने व कुछ करने के लिए प्रोत्साहित करती है। इन कारणों से व्यक्ति मे तनाव उत्पन होता है जो मानसिक विकार उत्पन कर सकता है, व्यक्ति की दिव्यांगता उसकी भौतिक पहुँचे को कम कर देती है। **लेकिन** जो इन प्रयासों के प्रति अनंत जीजीविषा बनाए रखता है उनको ब्रिगेडियर अब्दुल याक (सेना मे गोली लगने के बाद दिव्यांग को शिक्षा - पद्म श्री- 2022) बनने में समय नही लगता है।

वही दूसरी ओर परिवार के स्तर पर गरीबी, कुपोषण, पिछड़ापन, परिवारिक बिखराव इत्यादी कारण है जो मनुष्य को कुछ ओर बनाने का प्रयास करती है। यही कारण है कि किसान का बेटा जल्द ही

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसानी कार्य को क्यों अपना लेता है तथा राजनेता का बेटा कैसे राजनीति मे प्रवेश कर पाता है। लेकिन इस समय स्वयं को बनाए रखना ही बड़ी उपलब्धि है तथा परिवारिक कार्यों के साथ लक्ष्योन्मुखता का परिणाम "रिक्शे चलाने वाले की लड़की बनी IAS" तथा "किसान के बेटे को ISRO में मिली नौकरी" इन रूपों मे दिखाई देता है तथा Dr. APJ कलाम साहब जैसे व्यक्तित्व अखबार बेचकर मिसाईल मैन तक का सफर जारी करते हुए "गुदड़ी के लाल" मुहावरे को सार्थकता प्रदान करते है।

अब यदि बात करे समाज के परिप्रेक्ष्य में तो जातिवाद, अस्पृश्यता, बेगारी, धार्मिक कट्टरता जैसी व्यवस्थाए आज भी कई जगह प्रतिगामी तत्वों का कार्य कर रही है तथा व्यक्ति को हतोत्साहित

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

करती है। यहाँ यह तो भूला भी नहीं जा सकता है कि जब राजा राममोहन राय ने सतीप्रथा उन्मूलन का प्रयास प्रारम्भ किया था तब समाज कैसे विरोध करने आया था तथा राधाकांतदेव जैसे व्यक्तित्व के नेतृत्व में धर्मसभा नामक संगठनों का निर्माण किया। लेकिन इस समय स्वयं को बनाए रखना ही बड़ी उपलब्धि होती है जो राजा राममोहन राय ने करके दिखाया। आज वही कार्य उन्हें "भारत का प्रथम आधुनिक पुरुष" व "भारतीय समाज का अग्रदूत" का सम्मान दिलाता है।

इसी प्रकार भारतीय सामाजिकता का एक विशेष लक्षण रिश्तेदार के योगदान के रूप में दिखाई देते हैं। हालांकि ऐसा नहीं है कि सभी रिश्तेदार खराब हो लेकिन माफी माँगने के साथ यह भी स्वीकार करना है कि एक विशेष वर्ग ऐसा भी है जो

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस दुनिया में स्वयं को खड़े रखने में कष्ट प्रदान करते है तथा सामान्यतः यह घरों मे सुनाई भी देता है कि "वो तो चाहते भी यही है कि हम आगे नही बढे," "वे लोग खा-पी कर अपने पीछे पड़े हुए है" तथा राजस्थानी कवि 'राहगीर' की कुछ पंक्तियाँ भी है कि " ये जो अपने हो...कह के...हाथ जो गरमा रहे हो ....." लेकिन इस समय इन तानों को सुनकर जो निरंतर धैर्य से कार्य करे वह अपने को कुछ ही समय बाद एक अलग स्तर पर देखते हुए दिखाई देते है।

इसी प्रकार राष्ट्र तथा धर्म इस दुनिया का एक ओर हिस्सा है जो आपको कुछ और बनाने का प्रयास करती है। धर्म मे कट्टरता, जाति के आधार पर व्यवसाय, राष्ट्र का धार्मिक स्वरूप, राष्ट्र द्वारा भेदभाव इत्यादी कभी-कभी व्यक्ति को अपने राह से

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भटकाने का कार्य करती है इसलिए ऐसे समय में यूक्रेन, सीरिया, इजरायल जैसे राज्यों के नागरिकों द्वारा स्वयं को बनाए रखना ही बड़ी उपलब्धि मानी जानी चाहिए। ऐसा ही एक उदाहरण मार्टिन लूथर किंग जुनियर के रूप में दिखाई पड़ता है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि अमूर्त व मूर्त दुनिया में ऐसी कई ताकतें हैं जो रोकने का कार्य करती हैं तथा ऐसे समय में धैर्य - साहस - मेहनत - लगन व अनंत जीजीविषा के द्वारा स्वयं को बनाए रखना बड़ी उपलब्धि है तथा इसी समय स्वयं को बनाए रखने के लिए 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" का पाठ पढ़ाना तथा विश्व के लिए यह संदेश भेजना कि -

"मनु सबको हँसते देखो, हँसो और सुख पाओ अपने सुख को विस्तृत करके सबको सुखी बनाओ"।

यही संदेश प्रत्येक व्यक्ति को कुछ और बनाने की बजाय तुम्हें वही बनाने का कार्य करेगा।

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

एक काल मे व्याह होगा
एक काल मे रोटियाँ ← प्रेरणा/motivation

Budha

गाँधी जी — जूते पहन - तैयार होता है_

पाकिस्तानी

Rawan — सच की तैयारी करना
⇓
रावण आगे चला
"रावण अपराजेय"

"Story" → रामायण का दृश्य कुछ ऐसा है कि
↳ "लख शाखांकुल हो गए अतुल बक शेष नयन"
↳ शक्ति की करो मौलिक / सच के लिए / नैतिकता के लिए।

"Self Story" Dr. IAS Amit सक्सेना"

Ras. Ashuk Charan
8th attemp. मे भी Fail

"IAS Amit Saxena" — Sucide thought के बाद बनाए रखा और

दुनिया में — कुछ और बनाने का प्रयास — क्यों कर / कैसे कर रही है

मूर्त दुनिया — स्वयं को बनाए रखना मुश्किल
↳ पर बने रहे तो

अमूर्त जगत

यही संदेश

नियतिवादी

अजीत केश कम्बलीन

कैसे बने रहे ?

चार्वाक द्वारा विरोध

↳ महाभारत / भगवद्गीता
↳ कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन

↳ Support / favor कैसे बने रहे।
↳ "समर अभी शेष है"
↳ निष्काम कर्म

कुछ — पुराने जन्म के कर्म आड़े आ रहे हैं?

"बिहारी — मेरे लड़के के तो कर्म ही ऐसे है

↳ राज्य : पिछले जन्म मे खोटे कर्म किए हुए लगते हैं।

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

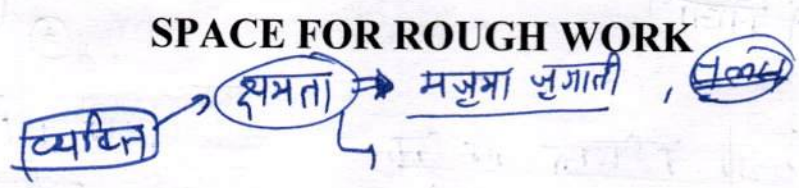

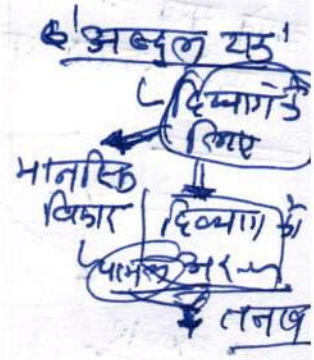

VisionIAS

मनु सबको हसत ... ...

अपने सुख को विस्मृत समूह का एक साथ कार्य करके सबको सुखी बनाओ।

ये जो आपन - गरमी ... हो रहके - छाय गरमी रहे थे

2004

SPACE FOR ROUGH WORK

कार्य नहीं किया → पूरा नहीं हुआ

- Story - समूह ने मिलकर कार्य किया → पुरा हुआ
- Budha
- Gandhi
- एक साथ कार्य नहीं किया

- movie
- Team work

Enviroment

कुछ Condition

NAAM - शीत युद्ध - अधिकांश विश्व

वैश्विक एकता

मित्र राष्ट्र / धुरी राष्ट्र

UN ने मिलकर कार्य → समग्रता के कारण
- पर्याय की शक्ति
- अपार धन बल व जन बल की शक्ति
- 1944 के परिणाम

19वी शताब्दी, गुटबाजी, ट्रिपल एलायंस, ट्रिपल ...

Bollywood + Tollywood

1st — एक साथ क्यों जरूरी

money laundering, हवाला सिस्टम

- आर्थिक — करप्शन, lust
- राजनीति
- सामा. कारण
- कूटनीतिक कारण
- प्राकृतिक कारण — आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापन
- आपदा प्रभाव
- प्लानेट → एक ग्रह सात अरब सपने, इसलिए सोच समझ कर खर्च करने की जरूरत

लेकिन अब अंतर्राष्ट्रीय जगत वैश्विक पंक्ति में एक साथ आना ही कार्य की पूर्णता है।

Example के साथ

5 Page

राजनीतिक भ्रष्टाचार, vote bank राजनीति

राज... शिखर ... शक्ति का अभाव

क्या इस अचल प्रगति ... इनमें कुछ अधिकार नहीं। क्या

प्रश्न यह

Problem solve

कहाँ विफल रहा

कहाँ सफल रहा

" women Social issue

नारी पैदा नहीं होती बनाई जाती है"

UN. महासचिव सिमोन दी बउआ → सभी धरती में बोया गया है — ब्रिटेन की, अफ्रीका की

Conclusion

प्लान - B नहीं हो सकता है

निष्कर्ष → सबका साथ - सबका विकास - सबका प्रयास
- वसुधैव कुटुम्बकम
- देश के भीतर व बाहर सहयोग

भारतीय सर्वे भवन्तु सुखिनः